Class - 6
Subject - HINDI
पाठ – 2 हेर – फेर

1. शब्दार्थ :–

साँझ	–	संध्या
विलीन	–	गायब
सजल	–	आँसुओं से भरी
विशाल	–	बहुत बड़ा
पोशाक	–	राजसी वस्त्र
ब्याह	–	शादी
सन्नाटा	–	मौन, चुप्पी
नामी रईस	–	प्रसिद्ध साहूकार
गलीचा	–	कालीन
राजसी	–	राजाओं का–सा

<u>मौखिक</u>

2. क. मज़दूर के घर में कौन रहता था?
उत्तर मज़दूर के घर में उसकी बूढ़ी माँ रहती थी।
ख. मज़दूर के घर की स्थिति कैसी थी?
उत्तर मज़दूर के घर की स्थिति दयनीय थी।
ग. बारात को देखकर मज़दूर क्या सोचने लगा?
उत्तर बारात को देखकर मज़दूर सोचने लगा कि कभी मेरा भी ब्याह हो, मेरी भी बारात निकलेगी।
घ. बारात के आगे चल रहे नौकरों ने मज़दूर से क्या कहा?
उत्तर बारात के आगे चल रहे नौकरों ने मजदूर से कहा कि "एक तरफ़ हट जा छोकरे!"
ङ बारात वालों ने मज़दूर को कहाँ फेंक दिया?
उत्तर बारात वालों ने मज़दूर को उठाकर झाड़ियों में फेंक दिया।

<u>लिखित</u>

3. क. घुटनों के बल बैठकर मज़दूर ने आकाश की ओर देखकर क्या कहा और क्यों?
उत्तर घुटनों के बल बैठकर मज़दूर ने आकाश की ओर देखकर कहा, "हे प्रभो! हमारे पास न धन–दौलत है, न महल–अटारियाँ, न नौकर–चाकर। फिर तूने हमें पैदा क्यों किया? क्या सिर्फ इसलिए कि अमीरों के नौकर आएँ और हमें मार–पीटकर उठाकर सड़क के किनारे फेंक दे। आखिर दुनियाँ को हमारी क्या जरूरत है।
मजदूर नौकरों द्वारा मार खाकर बहुत ही दुखी था।
ख. लोग नामी रईस के पास सिर झुकाकर क्यों आते थे?
उत्तर नामी रईसों के पास संदूकों में रूपये और मुहरें भरी होती थीं। उसके पास रहने के लिए विशाल महल तथा सेवा करने के लिए दास–दासियाँ हमेशा तैनात रहते हैं। उसकी सवारी के लिए घोड़े और पालकियाँ होती हैं। इसी शान–शौकत को देखकर लोग नामी रईस के पास सिर झुकाकर आते थे।

ग. मज़दूर धनी कैसे बना?

उत्तर मज़दूर धनी बनने के लिए जी–जान से काम किया। दिन का आराम बेचा, रात की नींद बेची, शतरंज की चालें चलीं, छल–कपट व धोखे से धन कमाया और धनी बन गया।

घ. सड़क के किनारे गलीचे पर कौन बैठा था और क्यों?

उत्तर सड़क के किनारे गलीचे पर रईस बैठा था।

साँझ के समय रईस पालकी पर सवार होकर घर लौट रहा था कि अचानक मजदूरों की बारात सड़क पर आ गई, जिस कारण रईस की पालकी रूक गई और उसे वहीं उतरना पड़ा।

ङ अमीर आदमी का दिमाग कैसे खराब हो गया और उसने अपने नौकरों से क्या कहा?

उत्तर जब रईस के रास्ते में मजदूरों की बारात आ गई तो मजदूरों को भगाने के लिए रईस के नौकरों ने डंडे बरसाना शुरू कर दिया। असहाय मजदूर चीखें मारते हुए इधर–उधर भागने लगे। मजदूरों की इन्हीं चीखों को सुनकर अमीर आदमी का दिमाग खराब हो गया और उसने अपने नौकरों से कहा मुझे पालकी से उतार दो मैं आराम करूँगा।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न धनी बन जाने पर मजदूर के जीवन में कैसा बदलाव आया?

उत्तर धनी बन जाने पर मजदूर शहर का नामी रईस बन गया था। अब उसका जीवन शान–शौकत वाला था। रईस बनने के बाद वह भूल गया था कि कभी वह भी एक गरीब मजदूर था। वह गरीबों को हीन दृष्टि से देखने लगा था। वह गरीबों और असहायों पर अत्याचार करने से भी पीछे नहीं रहता था।